भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

27.11.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 426 का उत्तर

किशनगढ़ से जलालगढ़ तक नई रेल लाइन का निर्माण

426. श्री राजेश रंजन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बिहार के कोसी सीमांचल क्षेत्र में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अंतर्गत किशनगढ़ से जलालगढ़ तक नई रेल लाइन के निर्माण के लिए स्वीकृत परियोजना पर कार्य अभी तक शुरू नहीं हुआ है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार को पता है कि किशनगढ़ से जलालगढ़ तक नई रेल लाइन के निर्माण से 'चिकन नेक' क्षेत्र के कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे भारत की सामरिक स्थिति और मजबूत होगी; और

(घ) सरकार द्वारा उक्त रेल लाइन का निर्माण कार्य कब तक शुरू किए जाने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

किशनगढ़ से जलालगढ़ तक नई रेल लाइन के निर्माण के संबंध में दिनांक 27.11.2024 को लोक सभा में श्री राजेश रंजन के अतारांकित प्रश्न सं. 426 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): रेल परियोजनाओं को मंजूरी देना भारतीय रेल पर सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। रेलवे की अवसंरचनात्मक परियोजनाओं को लाभप्रदता, अंतिम स्थान संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्ग, भीड़भाड़/संतृप्त क्षेत्रों में लाइनों की वृद्धि, सामाजिक-आर्थिक विचार आदि के आधार पर शुरू किया जाता है जो चालू परियोजनाओं की देनदारियों, धन की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों के अध्यधीन है।

जलालगढ़-किशनगंज (51 कि.मी.) नई लाइन परियोजना कम यातायात अनुमान के कारण आगे नहीं बढ़ाई जा सकी। बहरहाल नवीनतम यातयात अनुमान और लागत का पता लगाने के लिए नई विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का कार्य शुरू किया गया है।

01.04.2024 तक, कुल 1,368 किलोमीटर लंबाई और 74,972 करोड़ रू. की लागत वाली, 18 रेलवे अवसंरचनात्मक परियोजनाएँ (13 नई लाइन, और 05 दोहरीकरण), जो पूर्णतः/आंशिक रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र में आती हैं, योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 313 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया और मार्च 2024 तक ₹40,549 करोड़ का व्यय हो चुका है। इनमें शामिल हैं:-

i. **₹64,873 करोड़ की लागत वाली 896 किलोमीटर कुल लंबाई की 13 नई लाइन परियोजनाएँ, जिनमें से 81 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2024 तक ₹3,4616 करोड़ का व्यय हुआ है।**
ii. **₹10,099 करोड़ की लागत वाली 472 किलोमीटर कुल लंबाई की 05 दोहरीकरण परियोजनाएँ, जिनमें से 472 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2024 तक ₹5,933 करोड़ का व्यय हुआ है।**

पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों में पूर्णतः/आंशिक रूप से आने वाली अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की कमीशनिंग निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए कुल रेलपथ	कमीशन किए गए औसत रेलपथ	2009-14 के दौरान औसत कमीशनिंग की तुलना में वृद्धि
2009-14	333कि.मी.	66.66 कि.मी./वर्ष	-
2014-24	1728 कि.मी.	172.8 कि.मी./वर्ष	2.59 गुना

*****